ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–57
दिनांक: मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.3 एवं 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 73 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.8 एवं दोपहर में 37.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। ा।इस अवधि 17.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 जुलाई–02 अगस्त,2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 जुलाई से 02 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। 30–31 जुलाई के आस–पास गोपालगंज, सीवान एवं पश्चिम चम्पारण जिलों के **कुछ स्थानों** पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 32–36°C तथा न्यूनतम तापमान 24–29°C के बीच रहने की संभावना है।
- इस अवधि में सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 80–85% तथा दोपहर में सापेक्षिक आर्द्रता 40–45% रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 10–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान: कम वर्षा के कारण धान के खेतों में खरपतवार की वृद्धि अधिक हो सकती है। किसानों को समय पर खरपतवार निकालने की सलाह दी जाती है, जिससे खेतों में उचित वायु संचार, नमी तथा पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग हो सके। जिन खेतों में धान की रोपाई के 5–7 दिन हो चुके हैं, उनमें खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रति हेक्टेयर 500–600 लीटर पानी में ब्यूटाक्लोर/3.0 लीटर अथवा प्रेटिलाक्लोर/1.5 लीटर या पेंडीमेथालिन/3.0 लीटर मिलाकर छिड़काव करें।
- अरहर: किसानों को अच्छी जल निकास वाली उँचास जमीन में खरीफ अरहर की बुआई करने की सलाह दी जाती है। जहाँ संभव हो, जलभराव से बचने के लिए मेड़ (रिज) या उठी हुई क्यारियों (रेज्ड बेड) पर बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए *बहार, पूसा*–9, *राजेन्द्र अरहर*–1 एवं *राजेन्द्र अरहर*–2 उपयुक्त किस्में हैं। अंतिम खेत तैयारी के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक आधार (बेसल) खाद के रूप में दें। बीज की मात्रा 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। एकल फसल में 60×20 सेमी तथा मिश्रित/अंतरवर्ती फसल प्रणाली में 75 सेमी कतार दूरी रखें। बुआई से लगभग 24 घंटे पूर्व बीजों को कार्बेन्डाजिम/1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करें तथा बुआई से ठीक पहले क्लोरपाइरीफॉस/2–4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज एवं अनुशंसित राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।
- उड़द: इस समय उड़द की बुआई की जा सकती है। उत्तर बिहार के लिए टी–9, *पंत यू*–19, *पंत उड़द*–31, *उत्तरा* एवं *नवीन* किस्मों का चयन करें। बीज की अनुशंसित मात्रा 20–25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से 2–3 दिन पहले बीजों को कार्बेन्डाजिम/1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करें, इसके बाद क्लोरपाइरीफॉस/2–4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज से उपचार करें। बुआई से पूर्व बीजों का अनुशंसित राइजोबियम कल्चर से भी उपचार करें। बुआई से पहले प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करें।
- मिश्रिकंद: मिश्रिकंद की बुआई करने की सलाह दी जाती है। इस फसल के लिए अच्छी जल निकास वाली उँचास जमीन का चयन करें। इस क्षेत्र के लिए *राजेन्द्र मिश्रिकंद*–1 एवं *राजेन्द्र मिश्रिकंद*–2 उपयुक्त किस्में हैं। जुलाई में बुआई हेतु 15–20 किलोग्राम तथा अगस्त में 30–40 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर रखें। जुलाई में 30×30 सेमी तथा अगस्त में 30×15 सेमी की दूरी पर बुआई करें। प्रति हेक्टेयर 200 क्विंटल गोबर की सड़ी हुई खाद, 80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 80 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय आधार खाद के रूप में दें तथा शेष आधी नाइट्रोजन 40–45 दिन बाद दें।
- प्याज: खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 150–200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। मानसून के दौरान प्याज की नर्सरी को खरपतवार–मुक्त रखें। जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ समय पर निराई–गुड़ाई करें। तेज धूप से पौधों की सुरक्षा के लिए नर्सरी क्यारी के ऊपर 6–7 फीट की ऊँचाई पर शेड नेट लगाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः 34.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी